Newspaper Clips

January 31, 2013

Rashtriya Sahara ND 31/01/2013 P7

इंजीनियरिंग संयुक्त ऑनलाइन एकल परीक्षा (जेईई मेन)

पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर मिलेगी परीक्षा तिथि

नई दिल्ली (एसएनबी)। सीबीएसई द्वारा देशभर में इंजीनियरिंग की संयुक्त ऑनलाइन एकल परीक्षा (जेईई मेन) 2013 में शामिल होने के लिए परीक्षार्थी अपने हिसाब से डेट/स्लॉट का चयन कर सकते हैं। परीक्षार्थी को इसके चयन की सुविधा 1 से 15 फरवरी 2013 तक मिलेगी। परीक्षार्थियों को परीक्षा की तिथियां फर्स्ट कम फर्स्ट सर्व के आधार पर दी जाएंगी। जिन परीक्षार्थियों को एक तिथि मिल जाएगी और वह स्लॉट भर जाएगा तो अगले परीक्षार्थी को अगली तिथि मिलेगी। चयनित तिथि में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। परीक्षार्थियों को जेईई की वेबसाइट पर परीक्षा के लिए तिथियों का चयन करना होगा। तिथि चयन सुविधा उन परीक्षार्थियों को होगी जिनके आवेदनों की स्थिति रीसीव्ड/रीसीव्ड विद डिस्क्रीपेंसी होगी और बीई-बीटेक पेपर-1 के लिए ऑनलाइन परीक्षा का चयन किया होगा।

▶ ऑफ लाइन परीक्षा 7 अप्रैल व ऑनलाइन 8 से 25 अप्रैल तक

जेईई मेन 2013 ऑनलाइन परीक्षा 8 अप्रैल से शुरू होगी और 25 अप्रैल 2013 तक चलेगी। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा एआईईईई की इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा की जगह जेईई की ऑफलाइन परीक्षा की तिथि पहले ही 7 अप्रैल घोषित की जा चुकी है। इस परीक्षा के सफल विद्यार्थियों को देशभर के एनआईटी, आईआईआईटी, डीटीयू और अन्य तकनीकी संस्थानों के बीई-बीटेक पाठ्यक्रमों में दाखिला मिल सकेगा। बोर्ड के अनुसार जेईई मेन परीक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों को बीई-बीटेक (एआईईईई-1) व बीआर्क व बी प्लानिंग (एआईईईई-2) में दाखिला मिल सकेगा। 2012 की परीक्षा में बैठे जो छात्र अपनी परीक्षा में जेईई-2013 की परीक्षा के माध्यम से सुधार करना चाहते हैं उन्हें जेईई की सभी विषयों की परीक्षा देनी होगी। नतीजों की मेरिट लिस्ट में एनआईटी, आईआईआईटी, डीटीयू व अन्य तकनीकी संस्थानों के दाखिले के लिए बारहवीं के अंकों को 40 फीसद और जेईई मेन परीक्षा के अंकों को 60 फीसद की वेटेज मिलेगी। जेईई मेन (एआईईईई-13) परीक्षा में एक ऑब्जेटिव टाइप प्रश्नपत्र आएगा। इसमें फिजिक्स, कैमिस्ट्री और गणित से जुड़े प्रश्न होंगे। जबकि बीआर्क व बी प्लानिंग के लिए पेपर-2 के प्रश्नपत्र में गणित के अलावा एप्टिट्यूड और ड्राइंग टेस्ट भी शामिल होगा। दोनों परीक्षाओं का समय तीन घंटे होगा।

Nai Duniya ND 31/01/2013

P-3

जेईई में पहले आओ पहले पाओ के आधार पर स्लॉट मिलेगा

नई दिल्ली (वसं)। देश के इंजीनियरिंग संस्थानों में दाखिले के लिए संयुक्त प्रवेश परीक्षा, मुख्य में शामिल होने के लिए छात्रों को पहले आओ पहले पाओ के आधार नीति बनाई गई है। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड यह परीक्षा आयोजित कर रहा है। परीक्षा 1 फरवरी से 15 फरवरी के बीच होगी।

परीक्षा में समय और दिनांक की मांग छात्रों को करनी होगी। उन्हें पन्द्रह दिनों के अंदर कौन सा दिन और किस समय परीक्षा का मौका मिलना चाहिए इसके लिए आवेदन करना होगा। अगर ऐसा नहीं करते तो छात्रों को सीबीएसई बोर्ड रैंडमली अपनी ओर से स्लॉट की उपलब्धता के आधार पर ऑनलाइन परीक्षा में शामिल होने का मौका देगा। आवेदन करने वालों के बीच पहले आओ पहले पहले पाओ के आधार स्लॉट का आवंटन होगा। अधिकारियों के

परीक्षा 1 से 15 फरवरी तक

मुताबिक जिन छात्रों को आवेदन के हिसाब से स्लॉट नहीं मिल पाएगा उन्हें सीबीएसई अपनी ओर से अन्य दिन और समय परीक्षा मे बैठने के लिए देगी। इसमें छात्रों को किसी तरह का विकल्प नहीं मिलेगा।

सीबीएसई ने अपने यहां प्राइवेट रूप से बारहवीं बोर्ड की परीक्षा में शामिल होने वाले छात्रों को परीक्षा सेंटर के बारे में डाक के जरिए सूचना पत्र भेज दिया है। जिन छात्रों को सूचना पत्र नहीं मिला है वे सीबीएसई की वेबसाइट से अपना एडमिट कार्ड डाउनलोड करके संबंधित सेंटर पर परीक्षा के लिए जा सकते हैं।

Economic Times ND
31/01/2013 P-1

IIM में विमेन पावर बढ़ाने का सपना सच

[श्रेया बिस्वास *कोलकाता*]

इंडिया इंक को 2015 में टैलेंटेड विमेन प्रोफेशनल्स हायर करने में मुश्किल नहीं होगी। आईआईएम से मिले शुरुआती डाटा के मुताबिक, 2013-15 बैच में विमेन स्टूडेंट्स की संख्या बढ़ सकती है।

अहमदाबाद, बैंगलोर और कलकत्ता आईआईएम में कुल 1272 सीटें हैं, जिनके लिए 989 वूमन कैंडिडेट को शॉर्टलिस्ट किया गया है। पर्सनल इंटरव्यू के बाद इनमें से एडमिशन के लिए छात्राओं को चुना जाएगा। पिछले साल इन इंस्टीट्यूट्स ने 1222 सीटों की खातिर 646 विमेन को इंटरव्यू के लिए सेलेक्ट किया था। इसका मतलब यह है कि टॉप 3 आईआईएम में शॉर्टलिस्ट महिलाओं की संख्या पिछले साल के 15.96 फीसदी से बढ़कर 23.3 फीसदी हो गई है। जनवरी में कॉमन एडमिशन टेस्ट (कैट) का रिजल्ट आने के बाद आईआईएम के एडमिशन सीजन ने रफ्तार पकड़ी। यह जून के तीसरे हफ्ते में खत्म हो जाएगा। वहीं, जून के आखिरी हफ्ते से क्लासेज शुरू होंगी।

कैट में शामिल होने वाली विमेन कैंडिडेट की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। 2010 में इनकी संख्या 53,732 थी, जो 2011 में 56,050 हो गई थी। 2012 में इनकी संख्या 60,876 हो गई। हालांकि, जेंडर डायवर्सिटी के मामले में यह साल निर्णायक साबित हो सकता है। इस साल 255 लड़कियों (और 1650 लड़कों) ने 99 पर्सेंटाइल से ज्यादा स्कोर हासिल किया है। 99 पर्सेंटाइल का मतलब है कि उन्होंने 98 फीसदी से ज्यादा अंक हासिल किए हैं। आईआईएम कलकत्ता ने इस बार 396 महिलाओं को इंटरव्यू के लिए चुना है।

अहमदाबाद, बैंगलोर और कलकत्ता आईआईएम में 1272 सीटों के लिए 989 वूमन कैंडिडेट शॉर्ट-लिस्ट

Economic Times ND 31/01/2013 P1

More Women Set to Storm Into IIMs

No. of female candidates jumps for '13-15 batch

SHREYA BISWAS
KOLKATA

Companies looking to muster their gender diversity scores are likely to find happy hunting when they walk into IIM campuses in placement season 2015.

Early data trickling in from IIMs, the fountainhead of Indian managerial talent, shows the institutes are in an overdrive to admit more female students in the current 2013-15 batch.

The top three IIMs at Ahmedabad, Bangalore and Kolkata have together shortlisted 989 women candidates for a total of 1,272 seats. The shortlist is for personal interviews, the last stage of the admission process. Last year, the institutes had picked 646 women for interviews to fill 1,222 seats.

Put another way, the percentage of women shortlisted at the top three IIMs has increased from 15.96% to 23.3%.

"This is very welcome," says Vinita Bali, managing director, Britannia Industries. "Corporate India can only feed on the talent that is available, and if IIMs create that (female) talent pool, then we have more to choose from."

The IIM admissions season, which picked up steam after CAT results were announced in January, will come to an end in the third week of June. Classes begin in the last week of June.

The number of women appearing for CAT has been climbing gradually — from 53,732 in 2010 to 56,050 in 2011, and to 60,876 in 2012.

But the real inflexion point, in terms of gender diversity improving in the very well of Indian MBA talent, is likely to happen only this year. In all, 255 girls (and 1,640 boys) scored more than 99 percentile this year. Percentile is a statistical term — a candidate in the 99th percentile has scored higher than 98% of other scores.

WOMEN AHEAD

At IIM-Calcutta, for instance, the number of women shortlisted has more than doubled from 170 to 395. The institute is awarding three points (out of 100) to female candidates for the first time this year.

New IIMs Making Extra Efforts ▸▸ 23

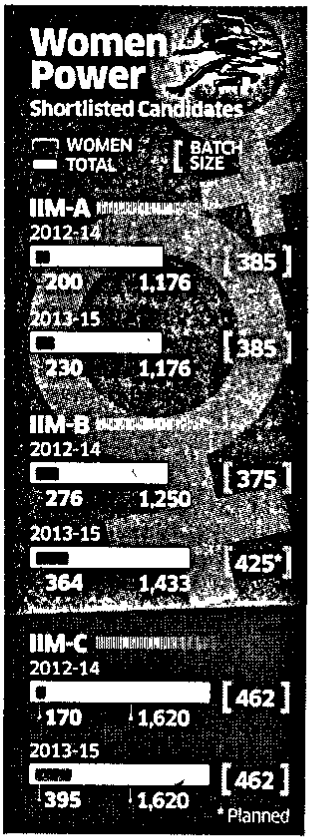

New IIMs Making Extra Efforts

▸▸ From Page 1

IIM-Calcutta is awarding extra points to women candidates in an attempt to improve diversity. IIM-Bangalore and IIM-Ahmedabad have not increased the points awarded to female aspirants but have still seen women in the shortlist rise from 200 to 230 and 276 to 364, respectively. New IIMs such as IIM-Rohtak, Kashipur and Udaipur have put in place concerted efforts to draw talented young women into the final talent pool by adding weightage to diversity. IIM-Rohtak gives 30 additional marks to a girl student while Udaipur gives 15 marks and Kashipur 3 points.

"Women are moving beyond traditional domains such as academics and media as they see opportunities emerging even in sectors that are male-dominated," says Jayadev M, chairperson, admissions, at IIM-B. "It has to do with the demand for women professionals from companies." Industry leaders feel the change has been triggered by a shared understanding across all sectors of academia and industry that a fair gender representation is a prerequisite for balanced business. "All sectors in the industry are embracing gender diversity, not as a 'good-to-do' but as a catalyst for sound business performance," says Vikram Tandon, head of HR at HSBC India, a regular recruiter at the IIMs.

HSBC will hire 25-30 students from top business schools this year and wants to have a 50:50 representation. "In 2012, 54% of the students hired into the bank's campus recruitment programme as resident management trainees were women, which is a trend we would like to continue," adds Tandon.

Economic power of women has been growing and more and more products are targeted towards them. "The kind of economic independence women have today was missing even 10-15 years ago," explains A Sudhakar, senior executive director-HR, Dabur India. "Firms understand women are an important part of their target consumers. Who better than women to help them in that?"

(Additional reporting by Sreeradha D Basu)

Times of India 31/01/2013

P-15

'Only 10% of B-school grads get jobs annually'

Himanshi Dhawan | TNN

New Delhi: B-schools appear to be losing their sheen. Aside from the top 20 business schools like the Indian Institutes of Management (IIMs), merely 10% of graduates from business schools manage to get hired by corporate India on an average every year.

In the last five years, the number of MBA seats annually in India has tripled from 4,500 to as many as 3.6 lakh, according to an Assocham study, but campus recruitments have gone down by 40% in the same period. The bad news continues with the study estimating that 180 schools had shut down in 2012 and another 160 schools offering MBAs were expected to close this year. "On an average, only 10% of graduates from Indian business schools excluding those from the top 20 schools get a job straight after completing their course annually. The recruitment was 54% in 2008," the study said.

In the last five years, the number of MBA seats annually in India has tripled from 4,500 to 3.6 lakh, according to an Assocham study, but campus recruitments have gone down by 40% in the same period

The paper 'B-Schools and engineering colleges shut down — big business struggles' pointed to the lack of quality in faculty and the fact that most MBA courses were not adequately designed to match the industry's demands. Barring graduates from top B-schools including IIMs, the institutes are not able to attract firms for campus recruitments, it added.

The study claimed that more than 180 business schools had shut down in 2012 in major cities like Delhi and the NCR, Mumbai, Bangalore and Kolkata. "There is no quality control in most of these institutes. The placements are not commensurate with fees being charged and the faculty is not up to the mark," Assocham secretary general D*S Rawat said. The biggest reason for the gap was the rapid mushrooming of tier-2 and tier-3 management education institutes that has unfortunately not been matched by commensurate uplift in the quality of management education, he added.